आचार्य महाश्रमण पदाभिषेक पर्व
23 मई 2010
सरदारशहर (राजस्थान)

मुख्य कार्यक्रम	प्रस्तुतकर्ता	निर्धारित समय	संलग्नक
प्रथम चरण (08:30 से 09:05)			
1. नमस्कार महामंत्र	पूज्यप्रवर	03 मिनट	
2. मंगल उद्‌घोष	मुनि रजनीशकुमारजी	02 मिनट	A
3. त्रिपदी वंदना	मुनि जम्बू कुमार जी	03 मिनट	B
4. स्वागत भाषण	विमल नाहटा स्वागताध्यक्ष, आ.महाप्रज्ञ चा. व्यवस्था समिति	02 मिनट	
5. मंगलाचरण	अनुराधा पौड़वाल	07 मिनट	
6. भाषण	सुमति गोठी अध्यक्ष, आ. महाप्रज्ञ चा. व्यवस्था समिति	02 मिनट	
7. भाषण	मिलाप दूगड़ संयोजक, आ. महाश्रमण पदाभिषेक पर्व	02 मिनट	
8. गीत	दूगड़ परिवार	05 मिनट	
9. भाषण	साध्वी सुमतिप्रभा जी	02 मिनट	
द्वितीय चरण (09:05 से 09:50)			
1. वक्तव्य	दीवान अजमेर दरगाह		
2. वक्तव्य	श्री प्रदीप जैन		
3. वक्तव्य	श्री प्रभा ठाकुर		
4. वक्तव्य	श्री राजनाथ सिंह		
5. वक्तव्य	श्री लालकृष्ण आडवाणी		
तृतीय चरण (09:50 से 10:30)			
1. संघ अभिवंदना गीत		8 मिनट	C
2. कैसेट श्रवण	आ. तुलसी एवं आ. महाप्रज्ञ के स्वर में	5 मिनट	
3. वक्तव्य	मुख्य नियोजिका विश्रुतविभाजी	7 मिनट	
4. वक्तव्य	साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी		
चतुर्थ चरण (10:35 से 11:00)			
1. आचार्य प्रवर को पट्टासीन होने के लिए निवेदन	साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी	02 मिनट	
2. पट्टासीन करने के लिए अगवानी	1. मुनि बालचंदजी 2. मुनि पानमलजी 3. मुनि धर्मरूचिजी 4. मुनि मोहनलालजी 5. मुनि भूपेन्द्रकुमारजी		

3.	मंगल मंत्रोच्चार		06 मिनट	D
	1. मुनि राजेन्द्रकुमारजी	1. साध्वी जिनप्रभाजी		
	2. मुनि दिनेशकुमारजी	2. साध्वी कल्पलताजी		
	3. मुनि ऋषभकुमारजी	3. साध्वी विमलप्रज्ञाजी		
	4. मुनि कुमारश्रमणजी	4. साध्वी शारदाश्रीजी		
	5. मुनि जयकुमारजी	5. साध्वी मुदितयशाजी		
4.	चतुर्विध संघ की तरफ से आचार्य प्रवर को पछेवड़ी धारण	मुनि सुमेरमलजी 'सुदर्शन' साथ में शंख ध्वनि मिलाप दूगड़	10:44	
5.	जय घोष	मुनि मोहजीतकुमारजी	10:45	E
6.	जय – जय नंदा	साध्वीवृंद		F
7.	आचार्यप्रवर द्वारा संकल्प	पूज्य प्रवर		G
8.	चतुर्विध संघ द्वारा संकल्प	मुख्य नियोजिकाजी		H
9.	रजोहरण, पूंजणी भेंट	साध्वी प्रमुखाश्रीजी	10:51	
	तासक भेंट	मुख्य नियोजिकाजी		
10.	अभिनन्दन पत्र वाचन	मुनि सुखलालजी	10:52	I
	अभिनन्दन पत्र समर्पण	1. मुनि किशनलालजी 2. मुनि महेन्द्रकुमारजी 3. मुनि धनंजयकुमारजी		
11.	केन्द्रीय संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा संकल्प	श्री लालचंद सिंघी	10:57	J

पंचम चरण (11:00 से 11:40)

1.	**धर्मसंघ के नाम संदेश**	**आचार्यश्री महाश्रमण**	11:00	
2.	संघ गान		11:30	K
3.	मंगल पाठ		11:35	

कार्यक्रम संयोजन – मुनि मोहजीत कुमारजी

संलग्नक – A

मंगल उद्घोष

1. अहिंसा के अग्रदूत श्रमण भगवान महावीर स्वामी की .... जय हो।
2. तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक आचार्यश्री भिक्षु की .... जय हो।
3. अणुव्रत प्रवर्तक युग प्रधान आचार्यश्री तुलसी की .... जय हो।
4. प्रेक्षा प्रणेता युग प्रधान आचार्यश्री महाप्रज्ञ की .... जय हो।
5. तेरापंथ के ग्यारहवें अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण की .... जय हो।
6. संघ पुरुष .... चिरायु हो, चिरायु हो। (तीन बार)

संलग्नक – B

त्रिपदी वंदना

1. वंदे अर्हम्।
2. वंदे गुरुवरम्।
3. वंदे सच्चम्।

संलग्नक – C

सामूहिक अभिवंदना गीत

संघ हिमालय के शिखरों पर चढ़ो, सभी हम साथ हैं।

धर्म सारथे ! थामो वल्गा सबल तुम्हारे हाथ हैं,
जय–जय ज्योति चरण।
जय–जय महाश्रमण।

संघ हमारा प्राण, संघ सबसे ऊंचा आश्वास है,
संघ हमारा त्राण, संघ पर हम सबको विश्वास है,
रहे फूलते फलते इसमें, संघ सदा मधुमास है,
नए नए तुम चांद उगाओ, संघ विशद आकाश है,
श्रद्धा सेवा और समर्पण, इसका जग विख्यात है।।1।।

दीवसमा आयरिया गण में, सबको दीपित करते हैं,
देसकालभावन्नू सबमें, नूतन ऊर्जा भरते हैं,
उवणयनयनिउणो तेयंसी, तमस जगत का हरते हैं,
पियधम्मे दढधम्मे बनकर, पल पल सदा निखरते हैं,
निग्रह और अनुग्रह में अतिनिपुण हमारे नाथ हैं।।2।।

सहनशीलता अनुशासन के गण में घोष बुलन्द हैं,
रचते जाएं सामंजस्य, समन्वय के नव छन्द हैं,
संयम समता की जीवन में, बढ़ती रहे सुगन्ध है,
संघ हमारा नीड़ शुभंकर, विहग सभी निर्द्वन्द्व है,
सदा सकारात्मक भावों की विपुल यहां बरसात है।।3।।

तेरापंथ संघ में अभिनव, युग की यह शुरुवात है,
कुशल शासना महाश्रमण की, खिले नए जलजात है,
लिखो नया अध्याय आर्यवर ! हर पन्ना अवदात है,
तुलसी महाप्रज्ञ देखो, दाएं बाएं साक्षात हैं,
संघपुरुष हो सदा चिरायु उजला आज प्रभात है।।4।।

संलग्नक – D

मंगल मंत्रोच्चार

1. णमो अरहंताणं।
   णमो सिद्धाणं।
   णमो आयरियाणं।
   णमो उवज्झायाणं।
   णमो लोए सव्व साहूणं।।

2. एसो पंच णमुक्कारो, सव्वपावपणासणो।
   मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवई मंगलं।। पढमं हवई मंगलं।।

3. अरहंता मंगलं, सिद्धा मंगलं, साहू मंगलं, केवलिपण्णत्तो धम्मो मंगलं
   अरहंता लोगुत्तमा, सिद्धा लोगुत्तमा, साहू लोगुत्तमा, केवलिपण्णत्तो धम्मो लोगुत्तमो
   अरहंते सरणं पवज्जामि, सिद्धे सरणं पवज्जामि, साहू सरणंपवज्जामि, केवलि पण्णत्तं धम्मं सरणं पवज्जामि।

4. मंगलं भगवान् वीरो, मंगलं गौतमो गणी।
   मंगलं स्थूलिभद्राद्याः जैन धर्मोस्तु मंगलम।।
5. मंगलं मतिमान् भिक्षुः, मंगलं भारमल्लकः।
   मंगलं रायचंद्राद्या, मंगलं तुलसीगुरुः।।
   महाप्रज्ञोस्तु मंगलं तेरापंथोऽस्तु मंगलं।।
6. विघनहरण मंगलकरण, स्वाम भिक्षु नो नाम।
   गुण ओलख सुमिरण कियां, सरै अचिन्त्या काम, सरै अचिन्त्या काम।।

- ॐ ऋषभाय नमः (तीन बार)
- ॐ नमो भगवते पार्श्वनाथाय धरणेन्द्र पद्मावती सहिताय सर्व विघ्नोऽप शमनाय स्वाहा।
- ॐ नमो भगवते वर्धमानाय ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तपो वृद्धि करणाय।
- ॐ भिक्षु ह्रां, ह्रीं, ह्रूं, ह्रैं, ह्रौं, ह्रः।
- ॐ जय तुलसी–तुलसी नाम
ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं सुख धाम
ह्रीं, ह्रीं, ह्रीं, ह्रीं, ह्रीं, ह्रीं, ह्रीं, ह्रीं, ह्रीं
- ॐ श्री महाप्रज्ञ गुरवे नमः। (तीन बार)
- आरोग्ग बोहि लाभं, समाहिवरमुत्तमं दिन्तु।
- चंदेसु निम्मलयरा, आइच्चेसु अहियं पयासयरा
सागर–वर–गंभीरा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसन्तु।।
सिद्धा सिद्धिं मम दिसन्तु, सिद्धा सिद्धिं मम दिसन्तु।।

संलग्नक – E

जय घोष – आचार्यश्री महाश्रमणजी की .... जय हो।

संलग्नक – F

जय–जय नंदा जय–जय भद्दा जय–विजय तुम वरज्यो।
अणजीत्यां ने जीत जीत्यां री रक्षा रूड़ी करज्यो।।
म्हारा पूज्य परम गुरु चंगो सुरंगो जस छायो,
मैं तो देख–देख हरसायो जी ।।

संलग्नक – G

आचार्य प्रवर द्वारा संकल्प

1. मैं तेरापंथ की परम्परा, मर्यादा, आचार, विचार और समाचारी की एकता को अक्षुण्ण रखूंगा।
2. मैं तेरापंथ धर्मसंघ के दायित्व को पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वाह करूंगा।
3. मैं तेरापंथ के व्यापक दृष्टिकोण एवं कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का प्रयत्न करूंगा।

संलग्नक – H

चतुर्विध धर्मसंघ द्वारा संकल्प

जैन शासन के महान सूर्य, तेरापंथ धर्मसंघ के नवोदित आचार्यश्री महाश्रमण !

हम सब पदाभिषेक के पावन अवसर पर सर्वात्मना समर्पण के साथ आपके मंगलमय नेतृत्व को स्वीकार करते हैं और आपको विश्वास दिलाते हैं कि 'आणाए मामगं धम्मं' के अनुसार आपके हर आदेश–निर्देश को शिरोधार्य करेंगे और प्राणपण से उसका पालन करने के लिए जागरूक रहेंगे।

संलग्नक – J

केन्द्रीय संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा संकल्प

भंते ! आप हम सबके आध्यात्मिक अनुशास्ता हैं। पदाभिषेक के पावन अवसर पर हम संकल्प करते हैं कि तेरापंथ संघ एवं संघपति के गौरव को बहुमान देते हुए आपके हर आदेश–निर्देश का आत्मसाक्षी से पालन करेंगे।